नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर कुलपति ने किया ध्वजारोहण

हिंदी को तकनीक के साथ आगे बढ़ा रहा है विश्वविद्यालय – प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 26 जनवरी 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय हिंदी भाषा को देश और दुनिया में पहुंचाने का भरसक प्रयास कर रहा है। हिंदी को ज्ञान विज्ञान की भाषा के रूप में विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय तकनीक का पूरा पूरा इस्तेमाल कर रहा है। विश्व़विद्यालय एक विचार और संस्कार के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। हमें अपनी ज्ञान, परंपरा और संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत होना चाहिए। उक्त विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित ध्वजारोहण समारोह में व्यक्त किये। शनिवार, 26 जनवरी को कुलपति प्रो.मिश्र ने अनुवाद एवं

निर्वचन विद्यापीठ भवन के प्रांगण में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह सहित अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. मिश्र ने विश्वविद्यालय परिवार को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आगे कहा कि हमने बड़े परिश्रम से आज़ादी हासिल की है। हमारे लिए गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय उत्सव है और यह हमें अनुशाषित करने वाला दिन भी है। हम संविधान के माध्यम से समता, समानता और भाईचारे को स्थापित कर आगे चल रहे हैं। भारत की विविधता अन्य देशों के लिए एक आश्चर्य की बात है। हमारे कार्य हमारी बहुलतावादी संस्कृति की बदौलत दुनिया में सराहे जा रहे हैं। अनेक परिवर्तनों के साथ हम अर्थव्यवस्था में

अग्रणी हो रहे हैं और खादी उत्पादन, सामरिक क्षेत्र तथा शिक्षा में निरंतर अग्रसर हो रहे हैं। कुलपति ने महात्मा गांधी और कस्तूरबा की 150 वीं जयंती वर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी जी ने देश के लिए जो महास्वप्न देखा था उसे साकार करने की दिशा में हमें यत्न करना चाहिए। उन्होंने किसान आत्महत्या का जिक्र करते हुए कहा कि वित्त की प्रधानता में तालमेल के अभाव से हमारे किसान संकट में है। संस्थाओं के बारे में उन्होंने कहा कि संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता बरकरार रखनी चाहिए और सभी ने हित के लिए कार्य करना चाहिए। पश्चिम के साम्राज्यवाद की आहट पर उन्होंने कहा कि हमें स्थानीय स्तर पर परीक्षा कर इसका स्वीकार या अस्विकार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के विकास पर उनका कहना था कि दो दशक की विकास यात्रा में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रमों से शिक्षा के द्वार और विस्तारित हो गए हैं। उन्होंने प्रसंन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इन पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय एक आदर्श संस्था की ओर बढ़ रहा है।

ध्वजारोहण से पहले कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा और प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने गांधी हिल पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया। विवि के सुरक्षा कर्मियों ने बैंड की धून पर राष्ट्रगान बजाया। कुलपति प्रो. मिश्र ने परेड का निरीक्षण किया। समारोह में विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी, कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।